ई-संदेश

7 अगस्त, 2025 | अंक 165

सात दिन – सात पृष्ठ

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी 02 अगस्त, 2025 को जनपद वाराणसी में विभिन्न विकास परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम के अवसर पर।

> काशी आध्यात्मिकता और आधुनिकता के संगम के रूप में दुनिया के लिए आकर्षण का केंद्र बनी : मुख्यमंत्री

>उ0प्र0 को वैश्विक पहचान दिलाने की अपार संभावनाएं : मुख्यमंत्री

> सर्वाधिक पुलिस भर्ती और सरकारी नौकरी प्रदान करने वाले राज्यों में उत्तर प्रदेश आज देश के अग्रणी राज्यों में है: मुख्यमंत्री

> विगत 11 वर्षों से हमें नये भारत का दर्शन हो रहा,देश की विरासत को विकास के साथ जोड़ा जा रहा : मुख्यमंत्री

> अर्बनाइजेशन अर्थव्यवस्था में वृद्धि को नई गति प्रदान करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम : मुख्यमंत्री

> सरकार के पास विकास कार्यों हेतु धन का कोई अभाव नहीं : मुख्यमंत्री

> विकास परियोजनाओं की सतत मॉनिटरिंग, समयबद्धता, गुणवत्ता एवं जनसहभागिता शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता : मुख्यमंत्री

> सरकार बाढ़ पीड़ितों के साथ है और उनका हर प्रकार से सहयोग करने के लिए तत्पर : मुख्यमंत्री

> बरेली की पहचान अब नाथ कॉरिडोर से बन गयी है: मुख्यमंत्री

> पर्व और त्योहारों में अपने हस्तशिल्पियों और कारीगरों द्वारा बनाए उत्पाद गिफ्ट में दें: मुख्यमंत्री

> सम्भल और उ0प्र0 अपनी गति को प्रगति की तरफ बढ़ा रहे : मुख्यमंत्री

> मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की अध्यक्षता में 07 अगस्त, 2025 को मंत्रिपरिषद द्वारा लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

नए भारत का नया उत्तर प्रदेश

काशी आध्यात्मिकता और आधुनिकता के संगम के रूप में दुनिया के लिए आकर्षण का केंद्र बनी : मुख्यमंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 02 अगस्त, 2025 को जनपद वाराणसी में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की उपस्थिति में लगभग 2,200 करोड़ रुपये लागत की 52 कल्याणकारी विकास परियोजनाओं का लोकार्पण तथा शिलान्यास किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री जी ने 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि' की 20वीं किश्त के अन्तर्गत 9.71 करोड़ से अधिक किसानों के खाते में 20,500 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि का अंतरण किया। उन्होंने काशी सांसद प्रतियोगिताओं से सम्बन्धित वेबसाइट, रजिस्ट्रेशन पोर्टल तथा क्यू0आर0 कोड का अनावरण किया। प्रधानमंत्री जी ने दिव्यांगजन को एलिम्को द्वारा डिजाइन किए गए सहायक उपकरण प्रदान किए।

प्रधानमंत्री जी ने कहा कि आज हम काशी से देशभर के लाखों किसानों से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि आज वह 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पहली बार काशी आये हैं।प्रधानमंत्री जी ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान दुनिया ने भारत का रौद्र रूप देखा है। 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारत के स्वदेशी हथियारों की ताकत पूरी दुनिया ने देखी है। हमारे एयर डिफेंस सिस्टम, हमारी स्वदेशी मिसाइलें, स्वदेशी ड्रोन्स, इन्होंने आत्मनिर्भर भारत की ताकत को साबित किया है।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री जी ने देश में जनहितकारी योजनाओं के माध्यम से जनता को प्रदत्त लाभों ,विकास कार्यों और विशेष रूप से काशी के उत्थान और विकास के बारे विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि आज दुनिया की अर्थव्यवस्था कई आशंकाओं से गुजर रही है, अस्थिरता का माहौल है। ऐसे में दुनिया के देश अपने-अपने हितों पर फोकस कर रहे हैं। भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। इसलिए भारत को भी अपने आर्थिक हितों को लेकर सजग रहना ही है। हमारे किसानों, लघु उद्योगों, नौजवानों को रोजगार जैसे हितकर कार्य हमारे लिए सर्वोपरि हैं। सरकार इस दिशा में हर प्रयास कर रही है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की काशी में उपस्थिति पवित्र श्रावण मास में ऐसे समय में हुई है, जब पूरा विश्व 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से भारत के सामर्थ्य और शक्ति का एहसास कर रहा है। नया भारत दुश्मन के घर में घुसकर उनका खात्मा करने का साहस रखता है। प्रधानमंत्री जी दुनिया के सर्वाधिक लोकप्रिय राजनेता है। पूरी दुनिया लोक कल्याण के लिए उनकी दूरदर्शिता का लोहा मानती है। विगत 11 वर्षों में दुनिया के 04 दर्जन से अधिक देशों ने अपना सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्रधानमंत्री जी को समर्पित किया। घाना, त्रिनिदाद एवं टोबैगो, ब्राजील तथा नामीबिया ने जुलाई माह में अपना सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्रधानमंत्री जी को समर्पित कर 140 करोड़ भारवासियों को गौरव के साथ आगे बढ़ने के लिए एक नया विजन प्रदान किया है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विगत 11 वर्षों से काशी नूतन और पुरातन संस्कृति के समन्वय के साथ ही, आध्यात्मिकता और आधुनिकता के संगम के रूप में दुनिया के लिए आकर्षण का केन्द्र बनी हुई है। ऐसा पहली बार हुआ होगा, जब कोई प्रधानमंत्री अपने क्षेत्र में 51वीं बार उपस्थित हुआ है। 51 हजार करोड़ रुपये की विकास परियोजनाएं विगत वर्षों में वाराणसी के लिए स्वीकृत हुईं हैं। जिनमें से 34 हजार करोड़ रुपये की विकास परियोजनाएं प्रधानमंत्री जी के कर कमलों द्वारा लोकार्पित होकर समग्र विकास की नई अवधारणा के साथ काशी को पहचान दिला रही हैं। 16 हजार करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाएं प्रगति के अलग-अलग चरणों से गुजर रही हैं।

उ०प्र० को वैश्विक पहचान दिलाने की अपार संभावनाएं: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 01 अगस्त, 2025 को यहां लखनऊ में एक उच्च स्तरीय बैठक में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथा निर्यात प्रोत्साहन विभाग के कार्यों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार ने फुटवियर, लेदर और नॉन-लेदर विनिर्माण के क्षेत्र को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने की दिशा में ठोस कदम उठाने शुरु कर दिए हैं। उत्तर प्रदेश को इस क्षेत्र में वैश्विक पहचान दिलाने की अपार संभावनाएं हैं। राज्य के पारम्परिक कौशल, प्रशिक्षित श्रमबल, कच्चे माल की प्रचुरता और आगरा, कानपुर व उन्नाव जैसे सशक्त औद्योगिक केन्द्रों की मौजूदगी को देखते हुए एक समग्र, व्यावहारिक और परिणामोन्मुखी नीति का निर्माण आवश्यक है।

मुख्यमंत्री जी ने 'उत्तर प्रदेश फुटवियर, लेदर एवं नॉन-लेदर क्षेत्र विकास नीति 2025' के प्रारुप पर विभागीय अधिकारियों को क्लस्टर आधारित विकास मॉडल को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नीति में स्पष्ट रुप से यह परिभाषित किया जाए कि प्रदेश के कौन-से क्षेत्र इस उद्योग के लिए सर्वाधिक उपयुक्त हैं। मुख्यमंत्री जी ने यह भी कहा कि यदि उत्पादन, डिज़ाइन, अनुसंधान और प्रशिक्षण को एकीकृत किया जाए तो यह क्षेत्र न केवल बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित कर सकता है, बल्कि लाखों युवाओं को रोजगार भी उपलब्ध करा सकता है। उन्होंने फ्लैटेड फैक्ट्री कॉम्प्लेक्स जैसी अधोसंरचना सुविधाओं की स्थापना की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि औद्योगिक इकाइयों को बेहतर कार्य वातावरण मिल सके।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि नीति के तहत न केवल लेदर और नॉन-लेदर फुटवियर निर्माण इकाइयों को बढ़ावा दिया जाए, बल्कि इससे जुड़ी सहायक इकाइयों; जैसे बकल्स, ज़िप, सोल, इनसोल, लेस, केमिकल्स, डाइज, हील्स, थ्रेड्स, टैग्स और लेबल्स के निर्माण को भी विशेष प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए। मशीनरी निर्माण, विशेष रुप से चमड़ा सिलाई, कटिंग, मोल्डिंग और नॉन-लेदर सेफ्टी शूज़ बनाने वाली तकनीकों से सम्बन्धित इकाइयों को भी समर्थन मिलना चाहिए। यह समग्र दृष्टिकोण प्रदेश में एक पूर्ण एकीकृत फुटवियर मैन्युफैक्चरिंग ईकोसिस्टम तैयार करेगा, जिससे 'डिज़ाइन टू डिलीवरी' मॉडल को स्थानीय स्तर पर साकार किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री जी ने बेहतर उत्पादों के लिए स्किलिंग, पैकेजिंग और मार्केटिंग की मजबूत रणनीति तथा प्रभावी क्रियान्वयन की आवश्यकता को भी रेखांकित किया।

बैठक में प्रस्तावित 'उत्तर प्रदेश औद्योगिक आस्थान नीति' पर भी विचार-विमर्श हुआ। इस दौरान मुख्यमंत्री जी को अवगत कराया गया कि वर्तमान में औद्योगिक क्षेत्रों में भूमि के कुशल उपयोग की कमी, लीज निष्पादन में जटिलता, अनधिकृत बंधक और सब-लेटिंग तथा अनुपयोगी भूखण्डों जैसी समस्याएं सामने आती रही हैं। प्रस्तावित नीति इन सभी बाधाओं को दूर करते हुए एक पारदर्शी, सुस्पष्ट और समयबद्ध प्रणाली प्रदान करेगी। भूखण्डों का आवंटन ई-नीलामी अथवा अन्य पारदर्शी माध्यमों से किया जाएगा और क्षेत्रानुसार भूमि की दर निर्धारित होगी। हालांकि एंकर इकाइयों के लिए भूमि की दर शासन द्वारा तय की जाएगी।

मुख्यमंत्री जी ने औद्योगिक आस्थान नीति को अत्यंत व्यावहारिक बताते हुए कहा कि यदि भूखण्डों के आवंटन से लेकर लीज डीड निष्पादन, निर्माण और उत्पादन तक की प्रक्रिया स्पष्ट, सरल और उत्तरदायी हो, तो निवेशकों को प्रदेश में उद्योग लगाने के लिए आवश्यक आश्वस्ति प्राप्त होगी। प्रदेश में सीमित औद्योगिक भूमि को ध्यान में रखते हुए 'लीज रेंट मॉडल' पर विचार किया जाए, जिससे निवेशकों का अनावश्यक पूंजीगत व्यय कम होगा और औद्योगिक विकास को गति मिलेगी।मुख्यमंत्री जी ने कहा कि निजी औद्योगिक पार्कों को बढ़ावा देने के लिए पूंजीगत प्रोत्साहनों के साथ-साथ स्टाम्प ड्यूटी में छूट, बिजली और लॉजिस्टिक्स सब्सिडी तथा सिंगल विण्डो अनुमोदन जैसी सुविधाएं सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने निर्देशित किया कि नीति के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु एकीकृत ऑनलाइन आवेदन और प्रोत्साहन वितरण प्रणाली विकसित की जाए, जिससे सभी प्रक्रियाएं डिजिटल, सुगम और ट्रैक योग्य बन सकें।

सर्वाधिक पुलिस भर्ती और सरकारी नौकरी प्रदान करने वाले राज्यों में उत्तर प्रदेश आज देश के अग्रणी राज्यों में है: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 03 अगस्त, 2025 को यहां इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान में मिशन रोजगार के अन्तर्गत उ0प्र0 पुलिस दूर संचार विभाग के नवचयनित 1,494 सहायक परिचालकों/कार्यशाला कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। इस अवसर सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के आह्वान पर वर्ष 2017 में प्रदेश सरकार ने पुलिस भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शितापूर्वक सम्पन्न करने के लिए पुलिस भर्ती बोर्ड के सुदृढ़ीकरण का कार्य आगे बढ़ाया। प्रदेश सरकार ने तय किया कि भर्ती प्रक्रिया ईमानदारीपूर्वक सम्पन्न होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा उठाए गए क़दमों के परिणामस्वरुप सर्वाधिक पुलिस भर्ती और सरकारी नौकरी प्रदान करने वाले राज्यों में उत्तर प्रदेश आज देश के अग्रणी राज्यों में है।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस बल देश में सिविल पुलिस का ऐसा एक मात्र पुलिस बल हो सकता है, जिसने 02 लाख 17 हजार 500 से अधिक पुलिस कार्मिकों की निष्पक्ष और पारदर्शी प्रक्रिया से भर्ती सम्पन्न की है। विगत 08 वर्षों में पुलिस में जितनी भर्तियां की गई हैं, बहुत सारे राज्यों में पूरा पुलिस बल इसका एक चौथाई भी नहीं है। वर्तमान में प्रदेश में 30 हजार अतिरिक्त पुलिस बलों की भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा रहा है। प्रदेश सरकार ने नए ट्रेनिंग इन्स्टीट्यूट बनाकर पुलिस बल की ट्रेनिंग की क्षमता में वृद्धि की है। अभी हाल ही में 60,244 पुलिस आरक्षियों की भर्ती प्रक्रिया को सम्पन्न किया गया है। इन सभी पुलिस कार्मिकों की ट्रेनिंग प्रदेश में एक साथ कुशलतापूर्वक करायी जा रही है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि राज्य पुलिस की अवस्थापना सुविधाओं में भी वृद्धि की गई है। जनपदों में हाईराइज बैरकों का निर्माण पुलिस बल के लिए आवासीय सुविधा उपलब्ध कराई गई है। वर्ष 2017 से पूर्व प्रदेश के 10 जनपदों में पुलिस लाइन नहीं थी। प्रदेश सरकार द्वारा इन जनपदों में पुलिस लाइन गठित की गईं। पुलिस मुख्यालय बनाने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया। पुलिस में व्यापक रिफॉर्म किए। 07 नई पुलिस कमिश्नरेट का गठन किया गया। उत्तर प्रदेश पुलिस ने स्वयं को मॉडल के रूप में स्थापित किया है।

पूरा देश राज्य की कानून व्यवस्था में हुए व्यापक सुधारों को स्वीकार कर रहा है। महाकुम्भ-2025 के दिव्य और भव्य आयोजन में उत्तर प्रदेश पुलिस का व्यवहार, तत्परता तथा संवेदनशीलता का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार ने अब तक साढ़े 08 लाख युवाओं को सरकारी नौकरियां प्रदान की हैं। राज्य का परसेप्शन बदला और सुरक्षा का बेहतर वातावरण निर्मित हुआ, तो यहां अच्छे निवेश की प्राप्ति भी हुई। निवेश के माध्यम से लगभग 02 करोड़ युवाओं को उनके स्वयं के जनपद में रोजगार की नई सम्भावनाएं प्रदान की गईं। शासन की कार्यवाही अनवरत आगे बढ़ने से आउटसोर्सिंग के माध्यम से भर्ती प्रक्रिया को नई दिशा प्राप्त हुई।मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आधी आबादी को वंचित कर हम विकास के किसी भी अच्छे मॉडल को प्रस्तुत नहीं कर सकते। महिलाओं की भागीदारी भी आवश्यक है। प्रदेश सरकार ने पहले से तय किया है कि पुलिस बल में कम से कम 20 प्रतिशत महिलाओं की नियुक्ति हो। टेलीकॉम पुलिस के 1,494 कार्मिकों की भर्ती में 20 प्रतिशत के लक्ष्य को प्राप्त किया गया है।

विगत 11 वर्षों से हमें नये भारत का दर्शन हो रहा, देश की विरासत को विकास के साथ जोड़ा जा रहा : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 04 अगस्त, 2025 को जनपद सहारनपुर में 381 करोड़ रुपये की 15 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र, आवास व ट्रैक्टर की प्रतीकात्मक चाभी, प्रतीकात्मक चेक आदि प्रदान किये। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार द्वारा सहारनपुर में चलायी जा रही विकास परियोजनाएं जनपद को नई पहचान प्रदान कर रही हैं। यहां की विरासत का सम्मान किया जा रहा है। यहां माँ शाकुम्भरी का पावन धाम स्थित है। यहां के युवाओं की डिग्री में माता शाकुम्भरी का नाम जुड़ेगा, क्योंकि यहां माँ शाकुम्भरी विश्वविद्यालय का भवन बन चुका है तथा उसके हैण्डओवर की कार्यवाही अन्तिम चरण में है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि विगत 11 वर्षों से हमें नये भारत का दर्शन हो रहा है। देश की विरासत को विकास के साथ जोड़ा जा रहा है। डबल इंजन सरकार बुलेट ट्रेन की भांति प्रदेश के विकास कार्यों को तेजी के साथ आगे बढ़ा रही है। इसी क्रम में जनपद सहारनपुर भी विकास की प्रक्रिया से जुड़ रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सहारनपुर में देवबन्द स्थित माता त्रिपुरेश्वरी बाला सुन्दरी सिद्धपीठ, गंगोह रोड पर बाबा गुग्धावीर आदि धार्मिक स्थल सरकार की विकास को विरासत से जोड़ने की प्रतिबद्धता दर्शाते हैं। यह प्रतिबद्धता विरासत का संरक्षण करती है और आम नागरिक को विकास के साथ जोड़ती है। माता शाकुम्भरी कॉरिडोर के निर्माण का कार्य तीव्र गति से चल रहा है। यहां ऐसे एलीवेटेड मार्ग का निर्माण किया जाएगा, जिसके माध्यम से प्रत्येक मौसम में देश भर के श्रद्धालु माँ शाकुम्भरी का दर्शन कर सकेंगे। सरकार द्वारा विरासत को संरक्षित करने के क्रम में, काशी में विश्वनाथ धाम, महाकुम्भ का दिव्य व भव्य आयोजन, शुक तीर्थ का पुनरुद्धार, हस्तिनापुर में महाभारतकालीन अवशेषों का संरक्षण तथा सहारनपुर में माता शाकुम्भरी के कॉरिडोर के निर्माण आदि कार्य किये गये हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि स्मार्ट सिटी मिशन के अन्तर्गत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विजन को जमीनी धरातल पर उतारने के लिए अनेक कार्य किये जा रहे हैं। अब तक स्मार्ट सिटी मिशन के अन्तर्गत 17 नगर निगमों को सम्मिलित किया गया था। इस बार के बजट में व्यवस्था की गयी है कि प्रत्येक जिला मुख्यालय से जुड़े नगर निकायों को स्मार्ट सिटी की तर्ज पर विकसित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सहारनपुर में स्पोर्ट्स कॉलेज का भी निर्माण किया जा रहा है। युवाओं की उर्जा और प्रतिभा का लाभ देश व आने वाली पीढ़ियों को प्रदान करने के लिए मेरठ में 90 एकड़ क्षेत्रफल में प्रदेश की पहली स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी बनायी जा रही है। सरसांवा एयरपोर्ट में सिविल टर्मिनल बन चुका है। उसमें वायु सेवा प्रारम्भ होनी है। अब सहारनपुर की कनेक्टिविटी बेहतरीन हो चुकी है। यहां से दिल्ली तीन-साढ़े तीन घण्टे में पहुंचा जा सकता है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सहारनपुर में विकास के अनेक कार्य भी किये जा रहे हैं। जहां आवश्यक था, वहां बाईपास का निर्माण किया जा रहा है। पहले विकास के लिए लखनऊ जाना पड़ता था, अब सरकार स्वयं आपके पास विकास योजनाओं को लेकर आ रही है।मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 'एक जनपद एक उत्पाद' योजना, विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना तथा पी0एम0 विश्वकर्मा जैसी योजनाओं द्वारा हस्तशिल्पियों व कारीगरों को सम्मानित करने का कार्य किया जा रहा है। यदि पिछली सरकारों ने ध्यान दिया होता तो सहारनपुर का वुड कार्विंग का कार्य पहले ही वैश्विक पटल पर छाया होता, जैसे इटली के फर्नीचर छाए हुए हैं। प्रदेश सरकार ने 'एक जनपद एक उत्पाद' योजना के माध्यम से वुड कार्विंग को प्लेटफॉर्म, डिजाइन, पैकेजिंग, मार्केटिंग व एक्सपोर्ट आदि सुविधाएं प्रदान कीं। परिणामस्वरूप वुड कार्विंग को अब नई पहचान मिल रही है। फर्नीचर खरीदने के लिए लोग सहारनपुर को प्राथमिकता देते हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अब पर्व व त्योहारों पर लोग स्थानीय वस्तुओ को खरीदकर उपहार के रुप में अपने सगे-सम्बन्धियों को प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि आज मंच पर जो मूर्ति उन्हें प्रदान की गयी, वह सहारनपुर की बनी लकड़ी की शानदार मूर्ति है। यह मूर्ति सहारनपुर की पहचान बनेगी। कारीगरों को रोजगार व मुनाफा प्राप्त होगा। इसी परिकल्पना को आगे बढ़ाते हुए हमें विकसित भारत में अपना योगदान देना होगा।

अर्बनाइजेशन अर्थव्यवस्था में वृद्धि को नई गति प्रदान करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 04 अगस्त, 2025 को जनपद मेरठ में मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण/नये शहर प्रोत्साहन योजना के अन्तर्गत नवीन टाउनशिप परियोजना का भूमि पूजन/शिलान्यास किया। उन्होंने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अन्तर्गत 675 उद्यमियों को 29 करोड़ रुपये का ऋण, 881 स्वयं सहायता समूहों को 64 करोड़ रुपये की सहायता राशि का वितरण भी किया। उन्होंने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को आवास की चाभी तथा आयुष्मान कार्ड वितरित किये तथा जैविक खेती के अन्तर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। उन्होंने सभी को रक्षाबंधन, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी और देश की आजादी के पर्व स्वाधीनता दिवस की बधाई दी। ज्ञातव्य है कि 295 हेक्टेयर क्षेत्र में फैली यह परियोजना मेरठ को आवासीय, औद्योगिक और वाणिज्यिक सुविधाओं का एक आधुनिक केन्द्र बनाएगी।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश को 05 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनाये जाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके अनुरुप हमने उत्तर प्रदेश को 01 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनाए जाने का लक्ष्य तय किया है। इसके लिए यह आवश्यक है कि हम अर्थव्यवस्था में वृद्धि के लिए किए जाने वाले प्रयासों को एक नई गति प्रदान करें। अर्बनाइजेशन इसका एक महत्वपूर्ण माध्यम है। इसके अनुरूप हमारी सरकार ने प्रदेश के सभी शहरी निकायों, विकास प्राधिकरणों और औद्योगिक प्राधिकरणों को अपने-अपने यहां एक नई टाउनशिप स्कीम को आगे बढ़ाने के लिए धनराशि उपलब्ध कराई है। इसी के तहत आज मेरठ में साढ़े सात एकड़ से अधिक भूभाग में इण्टीग्रेटेड टाउनशिप स्कीम लॉन्च की जा रही है। मुख्यमंत्री जी ने मेरठवासियों को बधाई देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री जी के विजन के अनुरूप प्रदेश में इण्टीग्रेटेड टाउनशिप स्कीम को आगे बढ़ाने के क्रम में एन0सी0आर0 की यह दूसरी ऐसी परियोजना है, जिसका आज शिलान्यास किया गया है। इण्टीग्रेटेड टाउनशिप में आवासीय, औद्योगिक तथा कॉमर्शियल कार्यों के लिए व्यवस्था दी जा रही है। इस योजना के माध्यम से सभी को एक नया मेरठ देखने को मिलेगा। सस्ते और टिकाऊ मकान की सुविधा इस टाउनशिप स्कीम के माध्यम से एन0सी0आर 0 के लोगों को प्राप्त होगी। यह योजना रैपिड रेल मार्ग से सटी हुई है।

यह टाउनशिप लगभग ढाई हजार करोड़ रुपये लागत की है। इसके माध्यम से लाखों लोगों को रोजगार मिलेगा। इस टाउनशिप में औद्योगिक इकाइयां लगेगी, कॉमर्शियल गतिविधियां होंगी तथा लाखों लोगों के लिए आवासीय सुविधा एक ही स्थान पर उपलब्ध होगी। इसमें विद्यालय, टेक्निकल इंस्टीट्यूशन्स तथा मेडिकल कॉलेज के लिए भी भूमि उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री जी ने मेरठ की टाउनशिप स्कीम को अटल शताब्दी नाम से पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय श्री अटल बिहारी वाजपेई जी को समर्पित करते हुए कहा कि इस स्कीम को समयबद्ध तरीके से मजबूती के साथ आगे बढ़ाने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। मुख्यमंत्री जी ने उन सभी अन्नदाता किसानों का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने इस टाउनशिप की स्कीम को आगे बढ़ाने में अपना योगदान दिया है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हम जनता की सुविधा के लिए मेरठ में एक ही छत के नीचे सभी मण्डलीय कार्यालयों की स्थापना की दृष्टि से भी कार्य करने जा रहे हैं।अब मेरठ की पहचान 12-लेन के एक्सप्रेस-वे तथा देश की पहली रैपिड रेल से हो रही है। हम रैपिड रेल को मेट्रो के साथ जोड़ने जा रहे हैं। मेजर ध्यानचंद के नाम पर प्रदेश की पहली स्पोर्ट यूनिवर्सिटी मेरठ में स्थापित हो रही है।मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अब मेरठ की पहचान 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' योजना के अन्तर्गत स्पोर्ट्स आइटम से हो रही है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि मेरठ की नई पहचान को आगे बढ़ाने के लिए वर्तमान में मेरठ से प्रयागराज के बीच देश के सबसे बड़े गंगा एक्सप्रेस-वे का निर्माण चल रहा है। यहां से लखनऊ की दूरी मात्र 06 घण्टे में तय की जा सकेगी। गंगा एक्सप्रेस-वे को मेरठ से हरिद्वार तक ले जाने के लिए भी सर्वे कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है। मेरठ में हम इनर रिंग रोड के निर्माण कार्य को भी स्वीकृति दे रहे हैं। यह मेरठ के विकास को नई ऊंचाई देगी। भोले की छाल पर पर्यटन सुविधाओं के विकास तथा मेरठ के सर्किट हाउस को नए सिरे से बनाने के कार्यक्रम को भी हम आगे बढ़ाने जा रहे हैं।

सरकार के पास विकास कार्यों हेतु धन का कोई अभाव नहीं : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 05 अगस्त, 2025 को जनपद आगरा में 1515.47 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से लगभग 340 एकड़ (लगभग 138.00 हेक्टेयर) क्षेत्र में विस्तृत नवीन टाउनशिप 'अटलपुरम् टाउनशिप योजना' के शिलापट्ट का अनावरण कर शुभारम्भ किया। इस टाउनशिप में 1,430 आवासीय भूखण्ड तथा 18 ग्रुप हाउसिंग भूखण्ड हैं। टाउनशिप में 96 अनावासीय भूखण्ड हैं, जो व्यावसायिक, स्वास्थ्य केन्द्र, शैक्षणिक सुविधा, सामुदायिक केन्द्र, बैंक्वेट हॉल, होटल, डाकघर/बैंक आदि हेतु नियोजित किए गए हैं। अग्नि से सुरक्षा हेतु फायर स्टेशन एवं आवासीय परिसर के साथ-साथ पुलिस चौकी भूखण्ड की व्यवस्था भी योजना में की गयी है। अटलपुरम् टाउनशिप में एक विश्व स्तरीय कन्वेंशन सेंटर का निर्माण भी प्रस्तावित है।

मुख्यमंत्री जी ने आगरा में मंडलीय स्तर पर विकास कार्यों के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक भी की। बैठक में उन्होंने जनप्रतिनिधियों के सभी प्रस्तावों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार के पास विकास कार्यों हेतु धन का कोई अभाव नहीं है। सभी कार्य समय से प्रारम्भ कर लिए जाएं। कार्ययोजना व प्रस्ताव समय से स्वीकृत न होने पर विभिन्न विभागों का बजट वापस चला जाता है। जनप्रतिनिधियों से समन्वय कर उनसे प्रस्ताव प्राप्त करें तथा विकास कार्यों हेतु प्राप्त सम्पूर्ण धनराशि का व्यय करते हुए परियोजना को समय से पूर्ण कराया जाए।

मुख्यमंत्री जी ने नगर विकास विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि शहरी क्षेत्रों में जलभराव एक प्रमुख समस्या है। इसके लिए सभी नगरीय निकायों में ड्रेनेज की प्रभावी कार्ययोजना बनाई जाए। नाला व नाली निर्माण के साथ ही, ड्रेनेज के अन्तिम स्तर पर जल निकासी की उचित व्यवस्था हेतु कार्ययोजना तैयार की जाए। पर्यटन विभाग द्वारा मुख्यमंत्री जी को अवगत कराया गया कि आगरा मण्डल में पर्यटन विकास हेतु 590 करोड़ रुपये की 160 परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। इस सम्बन्ध में अब तक 379 करोड़ रुपये की धनराशि अवमुक्त की गई है। 92 परियोजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं तथा 68 परियोजनाओं पर कार्य प्रगति पर है। मुख्यमंत्री जी ने धर्मार्थ कार्य विभाग को मन्दिरों में आने वाले दर्शनार्थियों व श्रद्धालुओं की संख्या के आधार पर सभी प्रमुख शहरी व ग्रामीण मन्दिरों के सम्पर्क मार्गों का निर्माण कराने के निर्देश दिए।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी 07 अगस्त, 2025 को जनपद सम्भल में विभिन्न परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम में एक बच्चे को अन्नप्राशन कराते हुए।

विकास परियोजनाओं की सतत मॉनिटरिंग, समयबद्धता, गुणवत्ता एवं जनसहभागिता शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 05 अगस्त, 2025 को जनपद अलीगढ़ में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों के साथ संवाद बैठक करते हुए विकास कार्यों की मण्डलीय समीक्षा की और आगामी विकास परियोजनाओं की जानकारी प्राप्त की।अधिकारियों को निर्देशित करते हुए उन्होंने कहा कि विकास परियोजनाओं की सतत मॉनिटरिंग, समयबद्धता, गुणवत्ता एवं जनसहभागिता शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जनप्रतिनिधिगण जनता की आवश्यकता से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दें और उपलब्ध धनराशि का जनहित में पारदर्शी तरीके से सदुपयोग सुनिश्चित कराएं। छोटे-छोटे कार्य विधायक निधि, जिला पंचायत, क्षेत्र पंचायत एवं ग्राम पंचायत निधि से पूरे कराए जाएं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रत्येक वॉर्ड में स्वच्छता समिति सक्रिय रहे। जल निकासी व साफ-सफाई की व्यवस्था बेहतर हो। धार्मिक एवं पौराणिक स्थलों का सौंदर्यीकरण किया जाए तथा उनसे जुड़ने वाले सम्पर्क मार्ग ठीक दशा में हों। प्रदेश सरकार ने 'मुख्यमंत्री पर्यटन संवर्धन योजना' के अंतर्गत 1,000 से अधिक धार्मिक स्थलों पर सौंदर्यीकरण एवं जन सुविधाओं का विकास कराया है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यह आवश्यक है कि हर विधानसभा क्षेत्र में कम से कम एक पर्यटन स्थल का चयन कर, वहां आधारभूत सुविधाओं के विकास की कार्ययोजना बनायी जाए। इससे न केवल धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि स्थानीय रोजगार व आर्थिकी को भी गति मिलेगी। राजा महेन्द्र प्रताप सिंह, स्वतंत्रता-संग्राम सेनानियों एवं संत-परम्परा की पुण्यभूमि पर विकास की योजनाएं केवल अधोसंरचना तक सीमित न रहें, बल्कि क्षेत्रीय पहचान और सांस्कृतिक चेतना का माध्यम भी बननी चाहिए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों के लिए धन की कोई कमी नहीं है, आवश्यकता केवल समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन की है।

मुख्यमंत्री जी ने लोक निर्माण विभाग को निर्देशित करते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तुत सड़क, पुल, ओवरब्रिज, धार्मिक स्थलों तक पहुंच मार्ग तथा शहीद गांवों की सड़कों से जुड़े सभी प्रस्तावों पर वरीयता के अनुसार शीघ्र कार्य प्रारम्भ किए जाएं। साथ ही, जनपद मुख्यालय को 04 लेन व ब्लॉक मुख्यालयों को 02 लेन से जोड़ने का कार्य भी तेजी से पूर्ण कराया जाए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रत्येक वॉर्ड में स्वच्छता समिति सक्रिय रहे। जल निकासी व साफ-सफाई की व्यवस्था बेहतर हो। धार्मिक एवं पौराणिक स्थलों का सौंदर्यीकरण किया जाए तथा उनसे जुड़ने वाले सम्पर्क मार्ग ठीक दशा में हों। प्रदेश सरकार ने 'मुख्यमंत्री पर्यटन संवर्धन योजना' के अंतर्गत 1,000 से अधिक धार्मिक स्थलों पर सौंदर्यीकरण एवं जन सुविधाओं का विकास कराया है।

औरैया में 'एक पेड़ मां के नाम': पौधारोपण करते मुख्यमंत्री जी

सरकार बाढ़ पीड़ितों के साथ है और उनका हर प्रकार से सहयोग करने के लिए तत्पर : मुख्यमंत्री

योगी आदित्यनाथ जी ने 05 अगस्त, 2025 को जनपद औरैया में बाढ़ से प्रभावित लोगों को राहत सहायता किट का वितरण किया। उन्होंने विभिन्न लाभार्थियों को कृषि अनुदान के प्रतीकात्मक चेक, दैवीय आपदा से प्रभावित लोगों को मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत प्रमाण-पत्र प्रदान किए। उन्होंने आपदा में दिवंगत लोगों के परिजनों को 04-04 लाख रुपये के चेक भी प्रदान किए। उन्होंने जनपद औरैया में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत अशोक का पौधा भी रोपित किया।

मुख्यमंत्री जी ने इस अवसर पर मीडिया प्रतिनिधियों तथा उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि विगत 10-15 दिनों में अत्यधिक वर्षा के कारण उत्तर प्रदेश के 21 जनपद बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। औरैया जनपद के 12 राजस्व ग्रामों में 5,000 से अधिक परिवार यमुना नदी में आयी बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में निरीक्षण और राहत कार्यों की समीक्षा करने के तथा उन्हें प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए हर जनपद में प्रभारी मंत्रियों की तैनाती की गई है। प्रभारी मंत्रीगण अपनी देखरेख में जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर बाढ़ राहत कार्यों को तेजी के साथ आगे बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं। सभी बाढ़ पीड़ित परिवारों के प्रति हमारी संवेदनाएं हैं। सरकार बाढ़ पीड़ितों के साथ है और उनका हर प्रकार से सहयोग करने के लिए तत्पर है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सभी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्य को प्रभावी रुप से आगे बढ़ाने और पीड़ित परिवारों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए सरकार ने अपने स्तर से पी0ए0सी0 की फ्लड यूनिट, एन0डी0आर0एफ0 और एस0डी0आर0 एफ0 को तैनात किया है। यह सभी अपने-अपने क्षेत्रों में राहत कार्यों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ा रही हैं। एन0डी0आर0एफ 0 की 16 टीमें, एस0डी0आर0एफ0 की 18 टीमें और पी0ए0सी0 की फ्लड यूनिट की 31 टीमें वर्तमान में बाढ़ प्रभावित जनपदों में राहत कार्य संचालित कर रही हैं। इन सभी जनपदों में साढ़े बारह सौ से अधिक नौकाओं की व्यवस्था भी की गई है, जिसके माध्यम से नागरिकों के आवागमन को सुचारु बनाने का कार्य किया गया है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश और जनपद स्तर पर कण्ट्रोल रुम और हर गांव में बाढ़ राहत चौकी की व्यवस्था की गई है। राहत कार्य की दृष्टि से जगह-जगह बाढ़ राहत शिविर बनाए गए हैं। जिन लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है, उन्हें सुबह का नाश्ता, दोपहर और सायंकाल का भोजन, शुद्ध पेयजल, दवा और पशुओं के लिए चारे की व्यवस्था की गई है। जो लोग अपने घरों में सुरक्षित रह सकते हैं, वहां बड़ी नौकाओं की व्यवस्था की गई है। उन्हें बाढ़ राहत किट भी उपलब्ध करायी गयी है। पशुओं के लिए चारा उपलब्ध कराने के साथ ही, पशुधन की हानि होने पर सहायता राशि की व्यवस्था की गई है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जगह-जगह स्वास्थ्य शिविर स्थापित किए गए हैं, जिससे लोगों के स्वास्थ्य की निगरानी की जा रही है। सी0एच0सी0 तथा जनपद अस्पतालों में एण्टी रेबीज और एण्टी स्नैक वेनम की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। बरसात के बाद किसी भी प्रकार के जलजनित रोगों से बचाव के लिए छिड़काव और साफ-सफाई की व्यवस्था के निर्देश दिए गए हैं। बाढ़ राहत कार्यों के लिए युद्धस्तर पर टीमें लगायी गयी हैं। जिला प्रशासन को इस सम्बन्ध में निर्देश दिए गए हैं। प्रभारी मंत्री स्वयं भी इन क्षेत्रों का निरीक्षण कर रहे हैं। जिन अन्नदाता किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचा है, उसका सर्वेक्षण करने के लिए आदेश दिए गए हैं। सर्वेक्षण की रिपोर्ट आते ही तत्काल मुआवजा उपलब्ध कराया जाएगा।

बरेली की पहचान अब नाथ कॉरिडोर से बन गयी है: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 06 अगस्त, 2025 को जनपद बरेली में लगभग 2,264 करोड़ रु0 की 545 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इसमें लगभग 1,259 करोड़ रुपये की 222 परियोजनाओं का लोकार्पण तथा लगभग 1,005 करोड़ रुपये की 323 परियोजनाओं का शिलान्यास सम्मिलित है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चेक व चाभी, प्रमाण पत्र, प्रशस्ति-पत्र, टैबलेट, गैस चूल्हा आदि प्रदान किये। कार्यक्रम में आयोजित रोजगार मेले में विभिन्न कम्पनियों द्वारा चयनित 06 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किये गये। मुख्यमंत्री जी ने कार्यक्रम में बच्चों का अन्नप्राशन एवं महिलाओं की गोदभराई की और 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अन्तर्गत पौधरोपण किया।

मुख्यमंत्री जी ने रक्षाबंधन और श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि बहनों के लिए रक्षाबंधन के अवसर पर एक विशेष प्राविधान किया गया है। आगामी 08, 09 व 10 अगस्त को उत्तर प्रदेश परिवहन निगम और नगर विकास की परिवहन व्यवस्था से जुड़ी बसों में बहनों के लिए, एक सहयात्री के साथ, निःशुल्क यात्रा की सुविधा रहेगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि मुझे सावन माह में नाथ नगरी में आकर महादेव के चरणों में नमन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। जब अच्छी सरकार आती है तो विकास और समृद्धि साथ लेकर आती है। जनपद बरेली की पहचान अब नाथ कॉरिडोर से बन गयी है। डबल इंजन सरकार नाथ नगरी बरेली में भगवान शिव के प्राचीन मन्दिर बाबा अलखनाथ, त्रिवटीनाथ, बाबा बनखण्डीनाथ, बाबा धोपेश्वरनाथ, श्री तपेश्वरनाथ, श्री मणिनाथ और श्री पशुपतिनाथ मन्दिर कॉरिडोर को विकसित कर रही है, अब यह बरेली की पहचान बन गयी है।

उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार तुष्टिकरण नहीं, बल्कि विकास के माध्यम से जनता-जनार्दन की संतुष्टि का माध्यम बन रही है। विरासत को विकास कार्यों से जोड़ रही है। आपके जीवन में खुशहाली और समृद्धि लाने के लिए हर सम्भव प्रयास कर रही है। दंगामुक्त व भयमुक्त वातावरण देकर विरासत और विकास के साथ लिए निरन्तर कार्य कर रही है। आज उसके आपको जोड़कर आपके वर्तमान के साथ-साथ भावी पीढ़ी के भविष्य को उज्ज्वल, सुखद तथा उन्हें समृद्धि के मार्ग पर अग्रसर करने के परिणाम भी हम सबको देखने को मिल रहे हैं।मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' का मंत्र दिया है। प्रदेश सरकार भेदभाव किए बिना प्रत्येक नागरिक को विकास योजनाओं का लाभ दे रही है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यहां पर रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। रोजगार मेलों में नियुक्ति पत्र वितरित किए जा रहे हैं। युवाओं के विकास, समृद्धि एवं संकल्पना के विजन को आगे बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान प्रारम्भ किया गया है। इस योजना के तहत युवाओं को प्रशिक्षण, बैंक से 05 लाख रुपये का गारण्टी एवं ब्याज मुक्त ऋण प्रदान किया जाता है। प्रदेश सरकार युवाओं को व्यवसाय प्रारम्भ करने के लिए 10 प्रतिशत मार्जिन मनी भी उपलब्ध करा रही है। इस अभियान के तहत अब तक 70 हजार से अधिक युवाओं को युवा उद्यमी के रुप में आगे बढ़ाने का कार्य किया गया है।

पर्व और त्योहारों में अपने हस्तशिल्पियों और कारीगरों द्वारा बनाए उत्पाद गिफ्ट में दें: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 06 अगस्त, 2025 को जनपद मुरादाबाद स्थित 24वीं वाहिनी पी0ए0सी0 में 1,172 करोड़ रुपये की 87 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं में 640 करोड़ रुपये लागत की 60 परियोजनाओं का लोकार्पण तथा 532 करोड़ रुपये लागत की 27 परियोजनाओं का शिलान्यास शामिल है। मुख्यमंत्री जी ने कार्यक्रम में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, ओ0डी0ओ0पी0, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना तथा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चेक प्रदान कर लाभान्वित किया।

उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) व मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के लाभार्थियों को आवासों की चाभी तथा स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तिकरण योजना के तहत लाभार्थियों को टैबलेट और लखपति दीदी को सम्मान पत्र प्रदान किये। बच्चों के समुचित पोषण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए कार्यक्रम में उन्होंने बच्चों को खीर खिलाकर अन्नप्राशन संस्कार संपन्न कराया।

मुख्यमंत्री जी ने मुरादाबाद के उद्यमियों को भी बधाई दी, जिन्होंने यहां के परम्परागत उद्यम को 'एक जनपद एक उत्पाद' योजना के माध्यम से एक नई पहचान दिलाई है। प्रधानमंत्री जी ने इसे वोकल फॉर लोकल का उदाहरण बताया है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हमारे पर्व और त्योहार आने वाले हैं। 09 अगस्त को रक्षाबंधन है। हर भाई अपनी बहन को हमारे हस्तशिल्पियों और कारीगरों के द्वारा बनाए गए उत्पादों को भेंट करें। जन्माष्टमी भी आने वाली है। जन्माष्टमी और अन्य अवसरों पर उपहार देने के लिए हम अपने हस्तशिल्पियों और कारीगरों के द्वारा बनाए उत्पादों को गिफ्ट में दें। इससे एक ओर हमारे प्रदेश के हर जनपद के उत्पादों का प्रचार-प्रसार होगा, दूसरी ओर इनका मुनाफा हमारे हस्तशिल्पियों और कारीगरों के पास जाएगा। यह मुनाफा अंततः प्रदेश के युवाओं के रोजगार और प्रदेश के विकास में लगेगा। हमें प्रधानमंत्री जी के स्वदेशी अभियान से प्राणप्रण से जुड़ना होगा। मुरादाबाद इसके लिए एक मॉडल बन सकता है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार ने यह तय किया है कि 8, 9 और 10 अगस्त को बेटी और बहनों को एक सहयात्री के साथ उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम तथा नगर विकास की बसों में निःशुल्क यात्रा की सुविधा दी जाएगी। 08 अगस्त को प्रातःकाल से 10 अगस्त की रात्रि 12 बजे तक यह सुविधा उपलब्ध रहेगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सरकार द्वारा 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' तथा 'वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज' जैसी योजनाएं संचालित की जा रही है। सरकार 'वन कमिश्नरी वन यूनिवर्सिटी' की परियोजना भी लेकर आई है। सी0एम0 युवा स्कीम अपना स्वयं का उद्यम स्थापित करने के इच्छुक युवाओं को 05 लाख रुपये तक का गारण्टी मुक्त और ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध करा रही है। योजना के अन्तर्गत 10 प्रतिशत मार्जिन मनी की भी व्यवस्था है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा 57 अन्य जनपदों में प्राइमरी से लेकर सीनियर सेकेण्डरी लेवल तक आधुनिक शिक्षा के लिए मुख्यमंत्री अभ्युदय विद्यालय, भारत सरकार के सहयोग से पीएम श्री विद्यालय और मुख्यमंत्री कम्पोजिट विद्यालय के निर्माण की कार्रवाई भी युद्ध स्तर पर आगे बढ़ चुकी है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत शिक्षा के मंदिरों को आज अच्छी शिक्षा का केन्द्र बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि एक ओर डबल इंजन सरकार कल्याणकारी योजनाओं का लाभ 'सबका साथ, सबका विकास' के भाव से दे रही है। वहीं दूसरी ओर सरकार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के विजन के साथ भी कार्य कर रही है।

सम्भल और उ0प्र0 अपनी गति को प्रगति की तरफ बढ़ा रहे : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 07 अगस्त, 2025 को बहजोई, जनपद सम्भल में 659 करोड़ रुपये लागत की 222 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस अवसर पर सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा सम्भल के विकास को प्रगति के साथ जोड़ने के लिए आज हम आपके बीच आए हैं। स्वच्छ पेयजल, सड़क, पर्यटन, जिला मुख्यालय, आंगनबाड़ी केन्द्रों, उच्च शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा और कम्पोजिट विद्यालयों आदि का उपहार सम्भलवासियों को उपलब्ध कराया जा रहा हैं। सम्भल और उत्तर प्रदेश अपनी गति को प्रगति की तरफ बढ़ा रहे हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2011 में सम्भल जनपद की घोषणा हुई थी। विगत 14 वर्षों में जनपद के पास अपना जिला मुख्यालय और पुलिस लाइन नहीं थी। हमने पुलिस लाइन के लिए 288 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं, जिस पर वर्तमान में कार्य चल रहा है। 80 एकड़ क्षेत्र में इंटीग्रेटेड कॉम्प्लेक्स के रूप में जनपद मुख्यालय के निर्माण की कार्रवाई की जा रही है, जहां एक ही छत के नीचे जनपद स्तर के सभी ऑफिस होंगे। इनके माध्यम से जनता को सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। जनपद मुख्यालय से सम्भल के बीच की यात्रा को सुगम करने के लिए 04 लेन की कनेक्टिविटी भी दी जाएगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सम्भल एक सच्चाई है। इस सच्चाई का उल्लेख हमारे ग्रन्थ करते हैं। यहां 68 इस सच्चाई का उल्लेख हमारे ग्रन्थ करते हैं। यहां 68 तीर्थ और 19 पावन कूप एवं परिक्रमा मार्ग था। बर्बर विदेशी आक्रांताओं ने इन तीर्थों को नष्ट और अपवित्र किया। सभी कूपों पर कब्जा हो गया। मार्ग तोड़ दिए गए। 24 कोसी और 84 कोसी परिक्रमा मार्ग को बाधित किया गया। डबल इंजन सरकार ने यह तय किया है कि सम्भल के सभी 68 तीर्थ, 19 कूपों और परिक्रमा मार्ग के पुनरुद्धार का कार्य किया जाएगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विरासत को विस्मृत करके कोई भी समाज आगे नहीं बढ़ सकता है।सौराष्ट्र, गुजरात में भगवान सोमनाथ के मन्दिर तथा काशी में भगवान विश्वनाथ मन्दिर भी क्रूर आक्रांताओं की बर्बरता का शिकार हुए थे। लोकमाता अहिल्याबाई होलकर ने उस समय उनका पुनरुद्धार करने का काम किया था। लोकमाता ने सम्भल के इन तीर्थों के पुनरुद्धार का कार्य भी किया था। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में श्री काशी विश्वनाथ धाम ने एक भव्य स्वरूप प्राप्त किया है। आज काशी में कोटि-कोटि सनातन धर्मावलम्बी आकर आस्था के साथ-साथ वहां के विकास को एक नई ऊंचाई दे रहे हैं। 500 वर्षों की प्रतीक्षा के बाद अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि में भगवान श्रीरामलला के भव्य मन्दिर के निर्माण के साथ ही, हमें एक नई अयोध्या के दर्शन हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार स्थानीय हस्तशिल्पियों और कारीगरों को 'एक जनपद एक उत्पाद' योजना से जोड़ रही है। प्रदेशवासियों को 'वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज' के तहत स्वास्थ्य की बेहतरीन सुविधा से जोड़ा जो रहा है। बिना भेदभाव प्रत्येक गरीब को 05 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा कवर दिया जा रहा है। उन्हें राशन, आवास तथा अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। प्रदेश सरकार बेटियों की शिक्षा की व्यवस्था करने के साथ ही, उनकी शादी के लिए मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के माध्यम से एक लाख रुपये तक का अनुदान उपलब्ध करा रही है। प्रदेश में युवाओं की भर्ती के अभियान को बिना भेदभाव आगे बढ़ाया जा रहा है।उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार सम्भल की विरासत के संरक्षण और विकास को आगे बढ़ाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगी।

मुख्यमंत्री जी ने सम्भलवासियों को रक्षाबन्धन, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी और स्वाधीनता दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कार्यक्रम में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को आवास की चाभी व प्रमाण पत्र तथा सी0एम0 युवा योजना के लाभार्थियों को ऋण के चेक वितरित किए। सुपोषण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के निश्चय को प्रदर्शित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कार्यक्रम में नन्हे बच्चों को खीर खिलाकर उनका अन्नप्राशन किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की अध्यक्षता में 07 अगस्त, 2025 को मंत्रिपरिषद द्वारा लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

- मंत्रिपरिषद ने उत्तर प्रदेश सरकार तथा The Foreign, Commonwealth and Development Office (FCDO) के सहयोग से 'भारतरत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी-चिविनिंग उत्तर प्रदेश राज्य सरकार छात्रवृत्ति योजना' संचालित किये जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है।

- मंत्रिपरिषद ने उ0प्र0 सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम औद्योगिक आस्थान प्रबंधन नीति का आलेख अनुमोदित किया है। इस नीति के किसी भी बिंदु में आवश्यकतानुसार संशोधन/परिवर्धन हेतु मंत्रिपरिषद द्वारा मुख्यमंत्री जी को अधिकृत किया गया है।बदलते परिवेश की आवश्यकता के दृष्टिगत विभाग के औद्योगिक आस्थानों की सम्पतियों के उचित रख-रखाव, अधिकारों का स्पष्ट विभाजन तथा कुशल प्रबंधन हेतु पूर्व में निर्गत शासनादेशों को अवक्रमित करते हुये एक समेकित शासनादेश निर्गत किए जाने का प्रस्ताव किया गया है।

- मंत्रिपरिषद ने उत्तर प्रदेश ग्रामीण आबादी अभिलेख विधेयक-2025 को अधिनियमित किये जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है। उत्तर प्रदेश ग्रामीण आबादी अभिलेख विधेयक-2025 के माध्यम से घरौनी निर्मित होने के पश्चात् होने वाले वरासत, विक्रय आदि के कारण नामान्तरण अथवा संशोधन तथा किसी लिपिकीय त्रुटि या लोप के सुधार तथा दूरभाष संख्या एवं पतों को अद्यतनीकृत किये जाने के विकल्प का प्राविधान किया गया है।उत्तराधिकार के निर्विवाद मामलों में राजस्व निरीक्षक को निर्धारित प्रक्रिया अनुसार घरौनी में नाम परिवर्तन/नामान्तरण करने हेतु हेतु अधिकृत किया गया है। उक्त श्रेणी से भिन्न अन्य निर्विवाद मामलों में, तहसीलदार/नायब तहसीलदार को घरौनी को अद्यतन करने हेतु अधिकृत किया गया है।

- मंत्रिपरिषद ने उत्तर प्रदेश फुटवियर, लेदर और नॉन लेदर क्षेत्र विकास नीति-2025 को प्रख्यापित किये जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है।
  इस नीति के माध्यम से वैश्विक बाजारों को ध्यान में रखते हुए उत्तर प्रदेश से फुटवियर लेदर और नॉन लेदर उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा दिया जायेगा। नीति के माध्यम से प्रदेश में नए निवेश को आकर्षित करने के साथ ही वर्तमान लेदर, नॉन लेदर और फुटवियर व्यवसायों के विस्तार को प्रोत्साहित करने के लिए वित्तीय सहायता और प्रोत्साहन प्रदान किया जायेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की अध्यक्षता में 07 अगस्त, 2025 को मंत्रिपरिषद द्वारा लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

- मंत्रिपरिषद ने आकाश चिन्ह और विज्ञापन की अनुज्ञा एवं नवीकरण अवधि के सम्बन्ध में उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम-1959 की धारा-305(1) में संशोधन किये जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है। आकाश चिन्ह और विज्ञापन की अनुज्ञा या नवीकरण की अवधि दो वर्ष के स्थान पर पन्द्रह वर्ष करने से विज्ञापन हेतु विज्ञापन एजेंसियों के लिए वृहद निवेश, नवाचार, अधिक राजस्व की प्राप्ति हो सकेगी।

- मंत्रिपरिषद ने किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय उ0प्र0 अधिनियम-2002 में संशोधन करते हुए धारा-24(1)(I) अन्तर्विष्ट किये जाने सम्बन्धी विधेयक को राज्य विधान मण्डल के आगामी सत्र में पुरःस्थापित करने का प्रस्ताव अनुमोदित किया है।

- मंत्रिपरिषद ने निजी क्षेत्र के अंतर्गत वेदांता विश्वविद्यालय, मुजफ्फरनगर की स्थापना हेतु उसकी प्रायोजक संस्था को खतौनियों में 'लाला फतेह चन्द चैरिटेबल ट्रस्ट' के स्थान पर 'फतेह चन्द चैरिटेबल ट्रस्ट' अंकित कराकर उसकी प्रतियां अनुपालन आख्या के साथ प्रस्तुत किये जाने की शर्तों के अधीन उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय अधिनियम-2019 की धारा-6 के प्राविधानों के अंतर्गत आशय-पत्र निर्गत किये जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है।

- मंत्रिपरिषद ने निजी क्षेत्र के अन्तर्गत के0डी0 विश्वविद्यालय, मथुरा की स्थापना के सम्बन्ध में 'उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (चतुर्थ संशोधन) अध्यादेश, 2025' को प्रख्यापित कराये जाने, तत्पश्चात प्रायोजक संस्था राजीव मेमोरियल एकेडेमिक वेलफेयर सोसाइटी, मथुरा को संचालन का प्राधिकार-पत्र निर्गत किये जाने तथा 'उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (चतुर्थ संशोधन) अध्यादेश, 2025' के प्रतिस्थानी विधेयक को विभागीय मंत्री का अनुमोदन प्राप्त कर उसे राज्य विधान मण्डल में पुरःस्थात/पारित कराये जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है।

- मंत्रिपरिषद ने निजी क्षेत्र के अन्तर्गत बोधिसत्व विश्वविद्यालय, बाराबंकी की स्थापना किये जाने के सम्बन्ध में उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय अधिनियम-2019 में संशोधन करने हेतु उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (तृतीय संशोधन) अध्यादेश-2025 को प्रख्यापित कराये जाने एवं तत्पश्चात संचालन प्राधिकार-पत्र निर्गत किये जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है।

सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश के लिए निदेशक श्री विशाल सिंह, आईएएस द्वारा प्रकाशित